कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (50) खण्ड - {99}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.........

प्रश्न 1- हम अभी कौन सी दुनिया में थोड़े दिन के मुसाफिर हैं ?

A- संगमयुग में

B- पुरानी दुनिया में

C- निराकारी दुनिया के

D- कलियुगी दुनिया के

प्रश्न 2- शिवबाबा के बारे में कौन सा कथन असत्य है ?

A- क्रियेटर, डायरेक्टर

B- शरीर बगैर राजयोग सिखाते हैं।

C- अन्तर्यामी है।

D- B और C

प्रश्न 3- हम विषय वैतरणी नदी कैसे पार हो जायेंगे ?

A- ज्ञान योग से

B- हिम्मत नहीं छोड़ो तो

C- बाप का हाथ मिला है, उसके सहारे

D- पवित्रता के बल से

प्रश्न 4- आप अपनी ऊंची स्थिति बनाने के लिए कौनसा अभ्यास बढ़ाओ?

A- श्रेष्ठ परिवर्तन की शक्ति से

B- याद की यात्रा में तत्पर रहना है, अलबेला नहीं बनने से

C- अशरीरीपन के अभ्यास से

D- संकल्पों को सेकण्ड में ब्रेक देने से

प्रश्न 5- अवस्था बिगड़ने का कारण क्या है ?

A- ज्ञान की डांस नहीं करते।

B- झरमुई झगमुई में अपना समय गँवा देते हैं।

C- दूसरों को दुःरख देते हैं तो भी उसका असर अवस्था पर आता है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- ममत्व मिटाने की युक्ति क्या है ?

A- ट्रस्टी बनो।

B- बाप के डायरेक्शन पर चलना है।

C- बाप कहते हैं हमको यह एक जन्म अपना वारिस बनाओं।

D- बाप पर पूरा बलि चढ़ना।

प्रश्न 7- सदैव सतोप्रधान अवस्था किसकी होती है ?

A- देवी-देवता

B- श्रीकृष्ण

C- शिवबाबा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- रत्ती कितने ग्राम का होता है ?

A- 1 ग्राम से भी कम

B- 1.5 ग्राम से कम

C- बिल्कुल 0 समान

D- 2 ग्राम से कम

प्रश्न 9- बाबा के ऊपर कौन सी ड्यूटी है ?

A- 21 जन्मों की लॉटरी देना।

B- पावन बनाने की।

C- स्वर्ग की स्थापना करना।

D- पुरानी दुनिया का विनाश करने।

प्रश्न 10- कौन सी स्मृति से सदा अचल रहो तो खुशी में नाचते रहेंगे ?

A- परमात्म छत्रछाया के अन्दर है

B- विजयी है

C- ड्रामा की

D- नथिंग न्यू

प्रश्न 11- क्यो अपना ममत्व निकाल देना चाहिए ?

A- अभी तो पिछाड़ी है तो

B- बन्धनमुक्त है तो

C- बलिहार गये तो

D- कर्मातीत बनना है तो

प्रश्न 12- यह ऐसा है, फलाना ऐसा है जो इस प्रकार की बातों में लग जाते है, उसे क्या कहेंगे ?

A- झरमुई झगमुई करना (परचिंतन)

B- ऊंच पद नही पायेंगे

C- उल्टा-सुल्टा काम

D- आसुरी लक्षण वाले

प्रश्न 13- अवस्था गिरना ही क्या है ?

A- अलबेलापन

B- देहाभिमान

C- सजा

D- श्रीमत पर न चल पाना

प्रश्न 14- दृष्टान्त बताते हैं कि उसने सोचा मैं भैस हूँ तो वह अपने को भैंस ही समझने लगा। इस दृष्टान्त से हमें क्या

शिक्षा लेनी चाहिए ?

A- हम लक्ष्मी-नारायण है।

B- बाबा हमको पुजारी से पूज्य देवता बनाते हैं।

C- लक्ष्मी-नारायण जैसा हमको बनना है, यही सारा दिन धुन लगी रहे।

D- हम सो, सो हम

प्रश्न 15- तुम ईश्वर की औलाद कब हो ?

A- संगमयुग पर

B- अनादि काल से

C- पूरे कल्प

D- सतयुग त्रेतायुग

प्रश्न 16- एकोअंकार का अर्थ क्या है ?

A- ईश्वर एक है ओंकार स्वरूप है।

B- निराकार स्वरूप

C- निराकार परमात्मा

D- उपरोक्त सभी

भाग (50) खण्ड {99} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *B.पुरानी दुनिया में*

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चे यह तो समझते हैं *इस पुरानी दुनिया में हम अभी थोड़े दिन के मुसाफिर हैं।* दुनिया के मनुष्य समझते हैं अजुन 40 हज़ार वर्ष यहाँ रहने का है। तुम बच्चों को तो निश्चय है ना।

उत्तर 2 - *D. B और C*

बाप का भी इस संगम पर पार्ट चलता है। क्रियेटर, डायरेक्टर है ना! तो जरूर उनकी कोई एक्टिविटी होगी ना। शिवबाबा को न देवता, न मनुष्य कहेंगे। यह तो टैप्रेरी शरीर लोन में लिया हुआ है। गर्भ से थोड़ेही पैदा हुए हैं। बाप खुद

कहते हैं - *बच्चे, शरीर बिगर मैं राजयोग कैसे सिखलाऊंगा!* बाप को सब मालूम पड़ता है। माया ग्राह एकदम हप कर लेती है। यह बाप अच्छी रीति जानते हैं। *ऐसे नहीं समझो बाप कोई अन्तर्यामी है।*

उत्तर 3 - *C.बाप का हाथ मिला है, उसके सहारे*

सदा शुद्ध नशा रहे कि बेहद का बाप हमें पतित छी-छी से गुलगुल, कांटों से फूल बना रहे हैं। *अभी हमें बाप का हाथ मिला है, जिसके सहारे हम विषय वैतरणी नदी पार हो जायेंगे।*

उत्तर 4 - *D.संकल्पों को सेकण्ड में ब्रेक देने से*

जब पहाड़ी पर चढ़ते हैं तो पहले ब्रेक को चेक करते हैं। *आप अपनी ऊंची स्थिति बनाने के लिए संकल्पों को सेकण्ड में ब्रेक देने का अभ्यास बढ़ाओ।* जब अपने संकल्प वा संस्कार एक सेकण्ड में निगेटिव से पॉजिटिव में परिवर्तन कर लेंगे तब स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का कार्य सम्पन्न होगा।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

ज्ञान की डांस नहीं करते, झरमुई झगमुई में अपना समय गँवा देते हैं इसलिए अवस्था बिगड़ जाती है। 2. दूसरों को दु:ख देते हैं तो भी उसका असर अवस्था पर आता है। अवस्था अच्छी तब रहेगी जब मीठा होकर चलेंगे। याद पर पूरा अटेन्शन होगा। रात को सोने के पहले कम से कम आधा घण्टा याद में बैठो फिर सवेरे उठकर याद करो तो अवस्था अच्छी रहेगी।

उत्तर 6- *B.बाप के डायरेक्शन पर चलना है*

पुरानी किचड़पट्टी में ममत्व नहीं रखना है, बाप के डायरेक्शन पर चलकर अपना ममत्व मिटाना है।

उत्तर 7- *C.शिव बाबा*

अभी तुम यह बनने का पुरूषार्थ कर रहे हो। तुम्हारी महिमा वास्तव में इन देवताओं से भी जास्ती है। तुमको अभी

बाप पढ़ा रहे हैं। कितनी ऊंच पढ़ाई है। पढ़ने वाले बहुत जन्मों के अन्त में बिल्कुल ही तमोप्रधान हैं। *मैं तो सदैव सतोप्रधान ही हूँ।*

उत्तर 8- *A.एक ग्राम से भी कम*

बाबा जौहरी था, एक रत्ती का हीरा होता था, 90 रूपया रत्ती था। अभी तो उसकी कीमत हज़ारों रूपया है। मिलते भी नहीं। बहुत वैल्यु बढ़ गई है। इस समय विलायत आदि तरफ धन बहुत है, परन्तु सतयुग के आगे यह कुछ भी नहीं है।आधुनिक वज़न के हिसाब से, एक रत्ती में 0 .1214 ग्राम वज़न होता है. रत्ती, भारतीय उपमहाद्वीप का एक पारंपरिक वज़न का माप है, *इस तरह एक रत्ती एक ग्राम से कम होती है।*

उत्तर 9- *B.पावन बनाने की*

बाप कहते हैं मैं कितना समय बैठा रहूँगा, मुझे कोई यहाँ मजा आता है क्या? मैं तो न सुखी, न दु:खी होता हूँ। *मेरे ऊपर ड्यूटी है पावन बनाने की। तुम यह थे, अब यह बन

गये हो, फिर तुमको ऐसा ऊंच बनाता हूँ।* तुम जानते हो हम फिर वह बनने वाले हैं।

उत्तर 10- *D.नथिंग न्यू*

नथिंग न्यू की स्मृति से सदा अचल रहो तो खुशी में नाचते रहेंगे।

उत्तर 11- *C.बलिहार गये तो*

बलिहार जाना कोई मासी का घर नहीं है। बड़े-बड़े आदमी बलिहार तो जा न सकें। वह बलिहार जाने का अर्थ भी नहीं समझते हैं। हृदय विदीर्ण होता है। बहुत बन्धनमुक्त भी हैं। बच्चा आदि कुछ भी नहीं है। कहते हैं बाबा आप ही हमारे सब कुछ हो। ऐसे मुख से कहते हैं परन्तु सच नहीं। बाप से भी झूठ बोल देते हैं। *बलिहार गये तो अपना ममत्व निकाल देना चाहिए।* अभी तो पिछाड़ी है तो श्रीमत पर चलना पड़े।

उत्तर 12- *B.ऊंच पद नहीं पायेंगे*

बाप को याद करेंगे तो यह जरूर याद पड़ेगा। हमको ऐसा बनना है। यही सारा दिन धुन लगी रहे। तो फिर एक-दो की ग्लानि कभी नहीं करेंगे। यह ऐसा है, फलाना ऐसा है...... *जो इन बातों में लग जाते हैं वह ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।* ऐसे ही रह जाते हैं। कितना सहज करके समझाया जाता है। इनको याद करो, बाप को याद करो तो तुम यह बन ही जायेंगे।

उत्तर 13- *C.सजा*

बाप समझाते तो बहुत हैं। अगर कुछ चाल तुम्हारी फिर खराब देखी तो यहाँ रह नहीं सकेंगे। थोड़ी सजा भी देनी होती है, तुम लायक नहीं हो। बाप को ठगते हो। *तुम बाप को याद कर नहीं सकेंगे। अवस्था सारी गिर जाती है। अवस्था गिरना ही सजा है।* श्रीमत पर न चलने से अपना पद भ्रष्ट कर देते हैं।

उत्तर 14- C.लक्ष्मी नारायण जैसा हमको बनना है, रही सारा दिन धुन लगी रहे

यह तो समझते हो कि बाबा हमको देवता बनाते हैं। जितना हो सके याद करना चाहिए। यह तो बाप कहते हैं कि निरन्तर याद रह नहीं सकती। परन्तु पुरूषार्थ करना है। *भल गृहस्थ व्यवहार का कार्य करते हुए इनको (लक्ष्मी-नारायण को) याद करेंगे तो बाप जरूर याद आयेगा। बाप को याद करेंगे तो यह जरूर याद पड़ेगा। हमको ऐसा बनना है। यही सारा दिन धुन लगी रहे।*

उत्तर 15- *A.संगमयुग पर*

बाबा ने समझाया है, सारी दुनिया में महान् मूर्ख देखना हो तो यहाँ देखो। बाप जिनसे 21 जन्म का वर्सा मिलता, उनको भी फारकती दे देते हैं। यह भी ड्रामा में नूँध है। *अभी अर्थात् संगमयुग तुम स्वयं ईश्वर की औलाद हो।* फिर देवता, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र की औलाद बनेंगे। अभी आसुरी औलाद से ईश्वरीय सन्तान बने हो। बाप परमधाम से

आकर पतित से पावन बनाते हैं तो कितना शुक्रिया मानना चाहिए।

उत्तर 16- *A.ईश्वर एक है ओंकार स्वरूप है*

गाया भी जाता है एकोअंकार सतनाम ...... यह महिमा किसकी है ? भल ग्रंथ में भी सिक्ख लोग महिमा करते हैं। गुरूनानक वाच... अब एकोअंकार यह तो उस एक निराकार परमात्मा की ही महिमा है परन्तु यह लोग परमात्मा की महिमा को भूल गुरू-नानक की महिमा करने लगते हैं। सतगुरू भी नानक को समझ लेते हैं। *एकोअंकार का मतलब है कि ईश्वर एक है और वह ओंकार स्वरूप है यह सिख धर्म का एक प्रचलित मंत्र है*।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (50) खण्ड - {100}

प्रश्न 1- महान् मूर्ख किस को कहेंगे ?

A- जो निधनके हैं।

B- कौरवों को।

C- वे जो बाप को फारकती दे देते हैं।

D- श्रीमत पर न चलने वाले ।

प्रश्न 2- तुम्हारा फर्ज क्या है ?

A- सच्चा-सच्चा सहज राजयोग सीखना व सिखाना।

B- बाप का परिचय सबको देना।

C- एक रूहानी बाप को याद करना है।

D- अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान करना।

प्रश्न 3- परम सौभाग्य कौन से बच्चों का है ?

A- जिनका ईश्वर सब- कुछ स्वीकार करता है।

B- जो बाप का बनते हैं।

C- जो बाप के पास आते हैं।

D- जो बाप को पहचानने हैं।

प्रश्न 4- जब हद के मेरे-मेरे से मुक्त होंगे तब -

A- सरलचित्त बनेंगे।

B- अव्यक्त स्थिति का अनुभव कर सकेंगे।

C- मुक्त बनेंगे।

D- सहजयोगी बन सकेंगे ।

प्रश्न 5- 5 हज़ार वर्ष पहले भी गीता के भगवान ने क्या कहा था ?

A- मनुष्य से देवता किये करत न लागी वार

B- लाडले बच्चे

C- मन्मनाभव

D- मामेकम्

प्रश्न 6- विचार सागर मंथन नहीं करेंगे या बाप को याद नहीं करेंगे, सिर्फ कर्म करते रहेंगे तो -

A- रात को भी वही ख्यालात चलते रहेंगे।

B- बन्धनमुक्त नहीं बनेगे।

C- ज्ञान की प्वाइंट्स नहीं निकलेगी।

D- ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।

प्रश्न 7- परमपिता परमात्मा है ?

A- नाम-रूप से न्यारा

B- बहुत सूक्ष्म

C- वन्डरफुल सितारा

D- B और C

प्रश्न 8- बीमारियोँ आदि होती हैं, वह भी क्या है ?

A- भोग है।

B- कर्म का हिसाब है।

C- सजा है।

D- पाप कर्म है।

प्रश्न 9- किस को ज्ञान कहा जाता है ?

A- सृष्टिचक्र को जानना

B- बाप को जानना

C- मुरली सुनना

D- अपने 84 जन्मों को जानना

प्रश्न 10- गाते हैं अहो बाबा, तेरी लीला....... क्या लीला ? इस लीला से यहां क्या तात्पर्य है ?

A- मनुष्य से देवता बनने की लीला।

B- नॉलेजफुल बनने की लीला।

C- यह पुरानी दुनिया को बदलने की लीला।

D- एक धर्म स्थापन करने की लीला।

प्रश्न 11- कौन सा वर्सा तो सबको मिलना ही है ?

A- मुक्ति का

B- स्वर्ग का

C- पढ़ाई का

D- सतयुगी राजाई का

प्रश्न 12- अमृत का प्याला है ?

A- धारणा

B- मुरली

C- वरदान

D- स्वमान

प्रश्न 13- कौन आज हॅंसे कल फिर रोते रहेंगे ?

A- बाप को याद नहीं किया तो

B- देह-अभिमान में आये तो

C- बाप के बच्चे नहीं बने वह

D- बाप को फारकति दी तो

प्रश्न 14- सतयुग में दान-पुण्य भी नहीं किया जाता क्योंकि -

A- अच्छा-बुरा, पाप-पुण्य वहाँ होता नही।

B- सब अच्छा ही अच्छा होता है।

C- विकर्म नहीं होते।

D- प्रालब्ध है।

प्रश्न 15- सुख अथवा चैन प्राप्त करने की विधि क्या है ?

A- पवित्रता

B- शान्ति

C- ज्ञान

D- योग

प्रश्न 16- वाइसलेस वर्ल्ड है ?

A- सतयुग

B- शान्तिधाम

C- कलियुग

D- संगमयुग

भाग (50) खण्ड {100} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.वे जो बाप को फारकती दे देते हैं*

तुम्हारा फर्ज़ है बाप का परिचय सबको देना। सभी निधनके बन पड़े हैं। यह बातें भी कल्प पहले वाले कोटों में कोई ही समझेंगे। बाबा ने समझाया है, सारी दुनिया में महान् मूर्ख देखना हो तो यहाँ देखो। *बाप जिनसे 21 जन्म का

वर्सा मिलता, उनको भी फारकती दे देते हैं।* यह भी ड्रामा में नूँध है।

उत्तर 2- *B.बाप का परिचय सबको देना*

राजयोग एक बाप ने ही सिखलाया था। सच्चा-सच्चा सहज राजयोग तो तुम अभी सिखला सकते हो। *तुम्हारा फर्ज़ है बाप का परिचय सबको देना। सभी निधनके बन पड़े हैं।* यह बातें भी कल्प पहले वाले कोटों में कोई ही समझेंगे।

उत्तर 3- *A.जिनका ईश्वर सब-कुछ स्वीकार करता है*

तुम बाप के पास आये हो अपना सौभाग्य बनाने, परम सौभाग्य *उन बच्चों का है - जिनका ईश्वर सब-कुछ स्वीकार करता है*

उत्तर 4- *B.अव्यक्त स्थिति का अनुभव*

आप बच्चों की सेवा है सबको मुक्त बनाने की। तो औरों को मुक्त बनाते स्वयं को बंधन में बांध नहीं देना। *जब

हद के मेरे-मेरे से मुक्त होंगे तब अव्यक्त स्थिति का अनुभव कर सकेंगे।* जो बच्चे लौकिक और अलौकिक, कर्म और संबंध दोनों में स्वार्थ भाव से मुक्त हैं वही बाप समान कर्मातीत स्थिति का अनुभव कर सकते हैं।

उत्तर 5- *B.लाडले बच्चे*

बाबा कितना सहज बतलाते हैं - मन्मनाभव। *बस 5 हज़ार वर्ष पहले भी गीता के भगवान ने कहा था लाडले बच्चे।* अगर श्रीकृष्ण कहेंगे तो दूसरे धर्म वाले कोई सुन न सकें। भगवान कहेंगे तो सभी को लगेगा - गॉड फादर हेविन स्थापन करते हैं जिसमें फिर हम जाकर चक्रवर्ती राजा बनेंगे।

उत्तर 6- *A.रात को भी वही ख्यालात चलते रहेंगे*

तुम बच्चों को विचार सागर मंथन करना है। कर्म करते दिन-रात ऐसे पुरूषार्थ करते रहो। *विचार सागर मंथन नहीं करेंगे या बाप को याद नहीं करेंगे, सिर्फ कर्म करते रहेंगे तो रात को भी वही ख्यालात चलते रहेंगे।* मकान बनाने वाले को मकान का ही ख्याल चलेगा।

उत्तर 7- *D. B और C*

आकाश सूक्ष्म है तो भी नाम तो है ना आकाश। *जैसे यह पोलार सूक्ष्म है, वैसे बाप भी बहुत सूक्ष्म है। बच्चे वर्णन करते हैं वन्डरफुल सितारा है,* जो इनमें प्रवेश करते हैं, जिसको आत्मा कहते हैं। बाप तो रहते ही हैं परमधाम में, वह रहने का स्थान है। ऊपर नज़र जाती है ना। ऊपर अंगुली से इशारा कर याद करते हैं। तो जरूर जिसको याद करते हैं, कोई वस्तु होगी। परमपिता परमात्मा कहते तो हैं ना।

उत्तर 8- *B.कर्म का हिसाब है*

आत्मा सजायें कहाँ खाती है - यह भी ड्रामा में पार्ट है। गर्भ जेल में सजायें मिलती हैं। जेल में धर्मराज को देखते हैं फिर कहते हैं बाहर निकालो। *बीमारियाँ आदि होती हैं, वह भी कर्म का हिसाब है ना।* यह सब समझने की बातें हैं। बाप तो जरूर राइट ही सुनायेंगे ना। अभी तुम राइटियस बनते हो। राइटियस उनको कहा जाता है जो बाप से बहुत ताकत लेते हैं।

उत्तर 9- *B.बाप को जानना*

बाप तो रहते ही हैं परमधाम में, वह रहने का स्थान है। ऊपर नज़र जाती है ना। ऊपर अंगुली से इशारा कर याद करते हैं। तो जरूर जिसको याद करते हैं, कोई वस्तु होगी। परमपिता परमात्मा कहते तो हैं ना। फिर भी नाम-रूप से न्यारा कहना - इसे अज्ञान कहा जाता है। *बाप को जानना, इसे ज्ञान कहा जाता है।* यह भी तुम समझते हो हम पहले अज्ञानी थे। बाप को भी नहीं जानते थे, अपने को भी नहीं जानते थे।

उत्तर 10- *C.यह पुरानी दुनिया को बदलने की लीला*

बाप समझाते हैं - मैं तुम आत्माओं का बाप हूँ। मेरे द्वारा इस रचना के आदि-मध्य-अन्त को जानने से तुम यह पद पाते हो। बाकी सब मुक्ति में चले जाते हैं। बाप तो सबकी सद्गति करते हैं। *गाते हैं अहो बाबा, तेरी लीला... क्या लीला? कैसी लीला? यह पुरानी दुनिया को बदलने की लीला

है।* मालूम होना चाहिए ना। मनुष्य ही जानेंगे ना। बाप तुम बच्चों को ही आकर सब बातें समझाते हैं। बाप नॉलेजफुल है

उत्तर 11- *A.मुक्ति का*

पहला नम्बर शास्त्र है गीता तो पीछे जो शास्त्र बनते हैं उनसे भी वर्सा मिल न सके। वर्सा मिलता ही सम्मुख है। *मुक्ति का वर्सा तो सबको मिलना है, सबको वापिस जाना है।* बाकी स्वर्ग का वर्सा मिलता है पढ़ाई से।

उत्तर 12- *B.मुरली*

यहाँ तुम बच्चों को रोज़ ज्ञान अमृत का प्याला मिलता है। धारण करने लिए दिन-प्रतिदिन प्वाइंट्स ऐसी मिलती रहती हैं जो बुद्धि का ताला ही खुलता जाता है इसलिए मुरली तो कैसे भी पढ़नी है। जैसे गीता का रोज़ पाठ करते हैं ना। यहाँ भी रोज़ बाप से पढ़ना पड़े।

उत्तर 13- *A.बाप को याद नहीं किया तो*

यह गीत सारा तुम बच्चों पर बना हुआ है - बचपन के दिन भुला न देना.....। *बाप को याद करना है, याद नहीं किया तो जो आज हंसे कल फिर रोते रहेंगे।* याद करने से सदैव हर्षित मुख रहेंगे।

उत्तर 14- *D.प्रालब्ध*

सतयुग-त्रेता में तो सब अच्छा ही अच्छा होता है। अच्छा-बुरा, पाप-पुण्य यहाँ होता है। *वहाँ दान-पुण्य भी नहीं किया जाता। है ही प्रालब्ध।*

उत्तर 15- *A.पवित्रता*

उस बाप को ही कहते हैं कि वहाँ ले चल जहाँ सुख चैन पावें। चैन अथवा सुख सभी मनुष्य चाहते हैं। *परन्तु सुख और शान्ति के पहले तो चाहिए पवित्रता।* पवित्र को पावन, अपवित्र को पतित कहा जाता है। सतयुग में है पवित्रता, कलियुग में है अपवित्रता।

उत्तर 16- *A.सतयुग*

सतयुग में है पवित्रता, कलियुग में है अपवित्रता। वह वाइसलेस वर्ल्ड, यह विशश वर्ल्ड। यह तो बच्चे जानते हैं दुनिया वृद्धि को पाती रहती है। *सतयुग वाइसलेस वर्ल्ड है तो जरूर मनुष्य थोड़े होंगे।*